आकाशवाणी
देहरादून (उत्तराखण्ड)
मंगलवार 14.04.2026 समय 1830

मुख्य समाचार :–

- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दिल्ली–देहरादून आर्थिक गलियारे का उद्घाटन किया। कहा– इससे उत्तराखंड के विकास को नई गति मिलेगी।
- राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने भारतीय संविधान के शिल्पकार डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।
- बागेश्वर जिले में ''मुख्यमंत्री एकल महिला स्वरोजगार योजना'' से महिलाएं बन रहीं आत्मनिर्भर।
- प्रदेश में बैसाखी का पर्व श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। हरिद्वार के गंगा घाटों में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने लगाई आस्था की डुबकी।

दिल्ली–देहरादून आर्थिक गलियारा

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज दिल्ली–देहरादून आर्थिक गलियारे का उद्घाटन किया। इस अवसर पर देहरादून में आयोजित कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि उत्तराखंड राज्य अपनी स्थापना के 25 वर्ष पूरे करने के साथ ही 26वें वर्ष में प्रवेश कर चुका है। आज इस गलियारे के उद्घाटन के साथ इस प्रगति में एक और बड़ी उपलब्धि जुड़ी है। प्रधानमंत्री ने कहा कि पर्यटन के लिहाज से यह परियोजना बहुत महत्वपूर्ण है और इससे उत्तराखंड के विकास को नई गति मिलेगी।
प्रधानमंत्री ने कहा कि सड़कें, राजमार्ग, एक्प्रेसवे, हवाई मार्ग, रेल मार्ग, जलमार्ग राष्ट्र की भाग्य रेखाएं होती हैं और बीते एक दशक से देश, ''विकसित भारत'' बनाने के लिए विकास की ऐसी ही भाग्य रेखाओं के निर्माण में जुटा हुआ है।

इससे पहले प्रधानमंत्री ने डाट काली मंदिर में पूजा–अर्चना की। इसके बाद श्री मोदी ने देहरादून कैंट स्थित सभा स्थल तक लगभग 12 किलोमीटर लंबा रोड शो किया। इस दौरान सड़कों के दोनों ओर हजारों की संख्या में युवा, महिलाएं और आमजन मौजूद रहे।

आम्बेडकर जयंती

राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह ने आज लोक भवन में भारतीय संविधान के शिल्पकार और भारत रत्न डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती के अवसर पर उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। राज्यपाल ने कहा कि बाबा साहेब का संपूर्ण जीवन सामाजिक न्याय, समानता और मानवाधिकारों की स्थापना के लिए समर्पित रहा। उन्होंने भारतीय समाज को एक नई दिशा देने के साथ ही एक सशक्त, समतामूलक और

समावेशी राष्ट्र के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दिया। वहीं, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आज मुख्यमंत्री आवास पर डॉ. आम्बेडकर के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उनका भावपूर्ण स्मरण किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि बाबा साहेब का सम्पूर्ण जीवन सामाजिक समरसता, समानता और न्याय के आदर्शों की स्थापना के लिए समर्पित रहा। उन्होंने समाज के वंचित और कमजोर वर्गों के उत्थान के लिए जो कार्य किए, वे आज भी हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत हैं। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों से आह्वान किया कि वे बाबा साहेब के आदर्शों को आत्मसात करते हुए समाज में समरसता एवं समानता को बढ़ावा देने में अपना योगदान दें।

वहीं, पौड़ी, पिथौरागढ़ और चम्पावत सहित राज्य के विभिन्न जिलों में भी डॉ. आम्बेडकर की जयंती धूमधाम से मनाई गई

जनगणना प्र"िाक्षण

ऊधमसिंह नगर जिले के नगर निगम रुद्रपुर में जनगणना के लिए सुपरवाइजर और प्रगणकों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। मुख्य नगर आयुक्त शिप्रा जोशी पाण्डेय ने बताया कि जनगणना की तैयारियों को लेकर 22 अप्रैल तक सभी सुपरवाइजर और प्रगणक का प्रशिक्षण कार्यक्रम चल रहा है। उन्होंने बताया कि 25 अप्रैल से 24 मई में तक मकानों की गणना की जाएगी। मुख्य नगर आयुक्त ने बताया कि केंद्र सरकार द्वारा स्व–गणना की सुविधा प्रदान की गई है। इसके लिए केंद्र की वेबसाइट पर लोग स्वयं अपनी गणना का विवरण भर सकते हैं।

एकल महिला स्वरोजगार योजना

बागेश्वर जिले में ''मुख्यमंत्री एकल महिला स्वरोजगार योजना'' से महिलाओं को स्वरोजगार के अवसर मिल रहे हैं, जिससे वे न केवल आत्मनिर्भर बन रही हैं, बल्कि अपने परिवार का बेहतर पालन–पोषण भी कर पा रही हैं। इस योजना से गीता लोहनी ने भी लाभ उठाकर अपने जीवन में सकारात्मक बदलाव लाया है। योजना के तहत मिली सहायता राशि से उन्होंने अपने सिलाई के कार्य का विस्तार किया। साथ ही अन्य महिलाओं को भी काम देकर उन्हें रोजगार के अवसर उपलब्ध करा रही हैं।

बाल विकास विभाग की जिला कार्यक्रम अधिकारी डॉ मंजू लता यादव ने बताया कि जिले में अब तक 42 महिलाओं ने इस योजना का लाभ लिया है। उन्होंने कहा कि इस योजना का उद्देश्य एकल महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़कर उनकी आर्थिक स्थिति को मजबूत करना है।

बैसाखी पर्व

प्रदेश में आज बैसाखी का पर्व श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर हरिद्वार के विभिन्न गंगा घाटों में स्नान करने वाले श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी रही। सुबह से ही हर की पैड़ी, ब्रह्म कुंड पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु गंगा में आस्था की डुबकी लगाई। तीर्थ पुरोहित मनोज त्रिपाठी ने बताया कि धार्मिक मान्यताओं के अनुसार बैसाखी के दिन गंगा स्नान, सूर्य पूजन और दान–पुण्य का विशेष महत्व होता है। उन्होंने कहा कि इस दिन गंगा स्नान करने से हजारों वर्षों की तपस्या के बराबर पुण्य फल प्राप्त होता है। उधर, टिहरी जिले के देवप्रयाग में भागीरथी और अलकनंदा के पवित्र संगम पर स्नान के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने गंगा स्नान कर पूजा–अर्चना की।

बिखौती पर्व

बागेश्वर जिले में बिखौती पर्व, पारंपरिक आस्था और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने सरयू–गोमती संगम पर स्नान के बाद सूर्य को अर्घ्य अर्पित कर परिवार की सुख–समृद्धि की कामना की। सुबह से ही श्रद्धालु बागनाथ मंदिर पहुंचे, जहां विधि–विधान के साथ पूजा–अर्चना और धार्मिक अनुष्ठान संपन्न कराए गए। वहीं, कपकोट क्षेत्र में कासिलदेव और लाटू मंदिरों में बिखौती मेले की शुरुआत के साथ रौनक बढ़ गई है। बैजनाथ धाम में भी श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। श्रद्धालु विमला मेहरा ने बताया कि इस दिन पूजा–अर्चना कर वे पूरे वर्ष परिवार की सुख–समृद्धि की कामना करते हैं।
जिले के काफलीगेर, शामा और कांडा सहित विभिन्न क्षेत्रों में यह पर्व आस्था और उत्साह के साथ मनाया गया।